Date __/__/____

बेरी-बेरी के लक्षण।

(i) भूख न लगना, लगातार वमन और अतिसार आम तौर पर पेट की खराबी रहना।

(ii) थायमीन की कमी से टाँगों तथा बाहों की नसें कमजोर हो जाती हैं जिसके परिणामस्वरूप हिलना-डुलना कठिन हो जाता है।

(iii) बेरी-बेरी रोग से पीड़ित व्यक्ति से सदा थकावट, मानसिक तनाव रहता है तथा दिमागी हालत ठीक नहीं होती उसको भय भी लगता है।

(iv) शिशुओं में थायमीन की कमी से प्रभाव बेरी-बेरी हो जाती है उपर्याप्त पोषक स्तर वाली माताओं के स्तनपान वाले शिशुओं को बेरी बेरी हो जाता है।

Page No.

Scanned with CamScanner

Date ___/___/___

कारण =>

थायमीन (B1) की कमी से बेरी बेरी नामक रोग हो जाता है यह रोग दो प्रकार का होता है गीली बेरी-बेरी जिसमे शोथ का प्रभाव होता है तथा सूखी बेरी-बेरी जिसमे नसों पर प्रभाव पड़ता है।